TARA Akshar+ Programme Enlightens Lives of Women in Hardoi District, Uttar Pradesh

अमर उजाला

कानपुर | बृहस्पतिवार, 2 मई 2019

निरक्षरता : टूटी दीवार, पा लिया पार

कछौना के पांच और बेंहदर के एक गांव की 1556 महिलाओं को 56 दिन में दिया गया अक्षर ज्ञान

अमर उजाला ब्यूरो

हरदोई। आज के दौर में निरक्षर होना अभिशाप लगता है। लेकिन जिले के कछौना और बेंहदर विकास खंड के कुल छह गांवों की 1556 महिलाओं ने इस अभिशाप से मुक्ति पा ली है। सर्वोदय आश्रम और अक्षर तारा के संयुक्त कार्यक्रम से निरक्षर महिलाओं को 56 दिन के लिए अक्षर ज्ञान दिया गया। इसके बाद गांव-गांव में ज्ञान चौपाली में इसका अभ्यास कराया गया और उन्हें प्रमाण-पत्र दिया गया।

आम तौर पर कहा जाता है कि महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है। महिलाएं शिक्षित हों तो न सिर्फ एक परिवार बल्कि दो पीढ़ी में भी बदलाव का उजाला कर सकती हैं। कुछ इसी मंशा के साथ शुरू हुई कवायद हकीकत में बदल गई। कछौना विकास खंड के गौरी खालसा, मुसलमानाबाद, कहली, बघौड़ा, ज्ञानपुरवा और बेहंदर विकास खंड के हसनापुर गांव में एचसीएल फाउंडेशन और तारा अक्षर तारा गणित ज्ञान संस्था ने सर्वोदय आश्रम के सहयोग से निरक्षर महिलाओं का सर्वे किया था। सर्वे में निरक्षर मिलीं 1556 महिलाओं को साक्षर बनाने का निर्णय लिया गया था। इसके लिए इन्हें 56 दिन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

38 दिन तक दो-दो घंटे हिंदी और 18 दिन गणित का ज्ञान दिया गया। प्रोग्राम कोआर्डिनेटर अकील अहमद बताते हैं कि गणित का ज्ञान देने के लिए एक से 100 तक अंक, गुणा, भाग, घटाना, जोड़ना और दो अंकों के पहाड़े सिखाए गए हैं। सभी महिलाओं को साक्षर बनने के बाद छह माह की ज्ञान चौपाली लगाई गई। इस दौरान इन महिलाओं को अन्य शैक्षिक जानकारियां भी दी गईं। अब सभी महिलाओं का प्रशिक्षण पूरा होने के बाद इन्हें सफल होने का प्रमाण पत्र भी दे दिया गया।

कहली में ज्ञान चौपाली में मौजूद महिलाएं और तारा सहेली। अमर उजाला

पढ़ाने वालों को भी मिला रोजगार

महिलाओं के जीवन में अक्षर तारा से उजाला लाने के लिए इंस्ट्रक्टर तैयार किए गए। यह इंस्ट्रक्टर 15 केंद्रों पर प्रशिक्षण देते हैं। 12-12 महिलाओं का एक बैच होता है। एक बैच हर दिन दो घंटे पढ़ाई कराता था और तीन बैच संचालित किए जाते थे। तारा अक्षर और तारा गणित का स्मरण सूत्र स्टेट रिसोर्स सेंटर से अप्रूव्ड है। सभी इंस्ट्रक्टर को एक-एक लैपटॉप भी दिया गया है। इन सभी को आठ हजार रुपये प्रतिमाह के हिसाब से मानदेय दिया गया। इसके अलावा तारा सहेली भी बनाई गईं और इन्हें भी 1500 रुपये प्रतिमाह भुगतान दिया गया।

बढ़ गया आत्मविश्वास, खुद करतीं सब काम

सीतादेवी।

गरिमा।

हसीना बानो।

राम दुलारी।

कछौना की गौरी खालसा गांव निवासी सीता देवी निरक्षर थीं। 56 दिनों तक अक्षर तारा की कक्षाओं में ज्ञान लेने के बाद अब वह खुद को पहले की अपेक्षा ज्यादा मजबूत पाती हैं। वह बताती हैं कि अब उन्हें हिसाब-किताब रखने में परेशानी नहीं होती। रुपयों का लेनदेन करते समय किसी की मदद की जरूरत नहीं पड़ती। कहली की गरिमा कहती हैं कि अक्षर तारा कार्यक्रम में जाने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। पूनम अब गणित के सामान्य गुणा भाग आसानी से कर लेती हैं। अपने गांव के छोटे बच्चों को बुला-बुलाकर गणित की जानकारी देतीं हैं तो अपना नाम लिखकर भी दिखाती हैं। हसनापुर की रहने वाली हसीना बानो भी अक्षर तारा कार्यक्रम से संतुष्ट नजर आईं। उन्होंने बताया कि अब रोजमर्रा के हिसाब-किताब वह खुद ही रख लेती हैं। पहले याद रखना पड़ता था, लेकिन अब एक डायरी बना ली है और उसी में सब कुछ दर्ज रहता है। बघौड़ा की राम दुलारी कहती हैं कि पहले बैंक जाते थे तो अंगूठा लगाने में शर्म महसूस होती थी। अब दस्तखत कर लेते हैं और बैंक वाले भी कहते हैं कि तुम तो पढ़-लिख गई।

Development Alternatives

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शुक्रवार, 26 अप्रैल, 2019, लखनऊ, यूपी प्रदेश, 21 संस्करण, हरदोई संस्करण
www.livehindustan.com

नवसाक्षर महिलाओं को प्रमाण पत्र दिये

नवसाक्षर महिलाओं को प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित। ● हिन्दुस्तान

हरदोई/कछौना | हिन्दुस्तान संवाद

सोसाइटी फॉर तारा की ओर से संचालित व एचसीएल फाउंडेशन की ओर से समर्थित तारा अक्षर साक्षरता कार्यक्रम के तहत कछौना ब्लॉक की 6 ग्राम पंचायतों में तीन चरण में माह जनवरी 2018 से अप्रैल 2019 तक 1556 निरक्षर महिलाओं को सर्वोदय आश्रम के सहयोग से साक्षर किया गया। नवसाक्षर महिलाओं के लिए 6 माह का ज्ञान चौपाली का संचालन भी किया गया।

इसमें ज्ञान चौपाली में किताबों, खेल, विडियो सत्र, अतिथि वक्ता सत्र आदि गतिविधियों के माध्यम से हिन्दी पढ़ने लिखने तथा गणित का अभ्यास कराने के साथ साथ नवसाक्षर महिलाओं के दैनिक जीवन में काम आने वाली विभिन्न प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गई। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर होकर सशक्त बन सकें। कार्यक्रम में 23 नवसाक्षर महिलाओं का ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान ललितपुर के माध्यम सिलाई का प्रशिक्षण भी कराया गया। यहां आयोजन सुभाष चन्द्र बोस डिग्री कॉलेज के सभागार में हुआ। जिसमें कार्यक्रम में कार्यरत स्टाफ को प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ ही पुरस्कृत भी किया गया। चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर कर्नल एमएस आहलुवालिया ने अपने सन्देश में सभी को शुभकामनायें दी। डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स दिल्ली की पारुल गोयल और जयती रौतेला प्रोग्राम समन्वयक अकील अहमद, डिप्टी मैनेजर दिव्या मेहरोत्रा ने अपने विचार व्यक्त किए। सीनियर सुपरवाइजर राम कृष्ण तिवारी, सर्वोदय आश्रम संस्था के प्रतिनिधि श्याम सुन्दर मिश्रा, सुपरवाइजर अवधेश कुमार, अकील अहमद, एजाज अहमद का योगदान रहा।

Development Alternatives

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर। बृहस्पतिवार • 25 अप्रैल • 2019

तारा अक्षर के तहत लगी ज्ञान चौपाल

हरदोई (एसएनबी)। सोसायटी फार तारा और सर्वोदय आश्रम के संयुक्त तत्वावधान में एचसीएल फाउंडेशन द्वारा समर्थित तारा अक्षर-साक्षरता कार्यक्रम के तहत कछौना ब्लॉक की छः ग्राम पंचायतों में जनवरी 2018 से अप्रैल 2019 तक तीन चरणों में 1556 निरक्षर महिलाओं को साक्षर किया गया। तारा अक्षर कार्यक्रम के तहत नव साक्षर महिलाओं के लिए छः माह का ज्ञान चौपालो का संचालन भी किया गया। बुधवार को सुभाष चन्द्र बोस डिग्री कॉलेज के सभागार में इस कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित हुआ।

ज्ञान चौपालों में किताबों, खेल, वीडियो सत्र, अतिथि वक्ता सत्र आदि गतिविधियों के माध्यम से हिंदी पढ़ने लिखने साथ ही गणित का अभ्यास कराने के साथ साथ नव साक्षर महिलाओं के दैनिक जीवन में काम आने वाली विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गयी। ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर होकर सशक्त बन सकें। कार्यक्रम के तहत 23 नव साक्षर महिलाओं का ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान ललितपुर के द्वारा सिलाई का प्रशिक्षण भी दिया गया।

कार्यक्रम के प्रोग्राम समन्वयक अकील अहमद ने कहा कि तारा अक्षर कार्यक्रम के सफलता पूर्वक संचालन में सभी प्रशिक्षको, तारा सहेलियों, फैसिलीटेटर और सुपरवाइजर ने उत्कृष्ट कार्य किया है। महिलाओं की साक्षरता बढ़ाने की दिशा में इनका सराहनीय योगदान रहा। तारा अक्षर की डिप्टी मैनेजर दिव्या मलहोत्रा ने कार्यक्रम की सराहना की। दिल्ली से आई कार्यक्रम की डेवलपमेंट अल्टर नेटिव्स पारुल गोयल और जयती रौतेला ने अपने विचार रखे। चीफ़ प्रोजेक्टर मैनेजर कर्नल एमएस अहलूवालिया ने कार्यक्रम की सराहना की।

Development Alternatives